Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 24 May 2024

Dainik Jagran Page - 05

असिस्टेंट प्रोफेसरों की होगी पदोन्नति, जून में है तैयारी

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। जून में प्रमोशन होने की संभावना बन गई है। इसका फायदा वर्ष 2018 व 2019 में नियुक्त शिक्षकों को मिलेगा, जिन्हें बीते दो वर्ष से प्रमोशन का इंतजार है। इसे लेकर उनमें आक्रोश भी पनपने लगा था।

गोरखपुर विश्वविद्यालय में वर्ष 2018 में करीब सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति हुई थी। तकनीकी कारणों से उन्हीं नियुक्तियों में से कुछ लिफाफे वर्ष 2019 में खुले थे। नियम यह है कि चार वर्ष पूरा होने के बाद उनका ग्रेड पे छह हजार से बढ़कर सात हजार कर दिया जाए, लेकिन करीब डेढ़ साल तक इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया। नवंबर 2023 में कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संज्ञान में यह मामला आया, तब उन्होंने प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू कराई। इसके तहत शिक्षकों की मेडिकल जांच करा ली गई है। अब फाइल तैयार कराई जा रही है।

करीब 50 शिक्षक होंगे स्थायी: वर्ष 2022 व 2023 में नियुक्ति पाए शिक्षकों का प्रोबेशन काल पिछले वर्ष 2018 और 2019 में नियुक्त शिक्षकों के प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जून में यह कार्य सम्पन्न करने का लक्ष्य है। शिक्षकों के परिवार का भुगतान भी किया जाएगा। जिन शिक्षकों का प्रोबेशन काल पूरा हो रहा है, उन्हें स्थायी करने की दिशा में भी काम आगे बढ़ाया गया है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर: गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विद्या परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। इसमें फार्मेसी, प्री-पीएचडी कोर्स, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सहित कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी। विश्वविद्यालय में इस सत्र से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई होगी। इसे सभी संकायों ने पास कर दिया है। विद्या परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को भी अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इसी सत्र से इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन भी होना है, जिसमें बीफार्म व डीफार्म शुरू किया जाएगा। इसका प्रस्ताव भी विद्या परिषद की बैठक में स्वीकृति के लिए रखने की विश्वविद्यालय की योजना है। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में तीन कोर्स और छह कालेजों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है।

Amar Ujala page - 07

विद्या परिषद की बैठक आज, नए पाठ्यक्रमों को मिलेगी हरी झंडी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विद्या परिषद की बैठक होगी। इसमें फार्मेसी, प्री-पीएचडी कोर्स वर्क, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम समेत कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी। उम्मीद की जा रही है कि सभी पाठ्यक्रमों को स्वीकृति मिल जाएगी।

विश्वविद्यालय में इस सत्र से 3 प्लस 1 स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई होगी। इसको सभी संकायों ने पास कर दिया है। आगामी विद्या परिषद की बैठक में इसको अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इसी सत्र से इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा।

बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में शुरू होने वाले तीन कोर्स और छह कॉलेजों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है। संवाद

असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमोशन का रास्ता साफ, बढ़ेगा ग्रेड पे

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के करीब सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। जून महीने में विश्वविद्यालय इसे करने की तैयारी में है।

नवंबर 2023 की शुरुआत में ही प्रमोशन की फाइल दौड़नी शुरू हो गई थी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संज्ञान में मामला आने के बाद प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू कराई थी। इसके तहत शिक्षकों की मेडिकल चेकअप करा लिया गया है। एग्रीमेंट भी तैयार करा लिया गया है।

शिक्षकों का आरोप है कि इसके पहले हर टेबल पर फाइल आगे बढ़ाने में सुस्ती दिखाई गई। कॉलेजों में निर्धारित तिथि पर ही प्रमोशन मिल जाता है। प्रावधान है कि चार वर्ष पूरे हो जाने पर ग्रेड पे छह हजार से बढ़कर सात हजार हो जाएगा।

डीडीयू : चार वर्ष में मिलना चाहिए था प्रमोशन, दो वर्ष देरी से प्रक्रिया

2023 नवंबर की शुरुआत में ही प्रमोशन की फाइल शुरू हो गई थी दौड़नी

वर्ष 2022 और 2023 में नियुक्ति पाए शिक्षकों का प्रोबेशन पीरियड तत्कालीन कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने दो साल कर दिया था। इनका प्रोबेशन पीरियड अब पूरा हो गया है। उनका कंफर्मेशन भी जून में ही हो जाएगा।

Amar Ujala Select Page 04

डीडीयू : विद्या परिषद की बैठक आज नए पाठ्यक्रमों को मिलेगी हरी झंडी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विद्या परिषद की बैठक होगी। इसमें फार्मेसी, प्री-पीएचडी कोर्स वर्क, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम समेत कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी। उम्मीद की जा रही है कि सभी पाठ्यक्रमों को स्वीकृति मिल जाएगी।

विश्वविद्यालय में इस सत्र से 3 प्लस 1 स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई होगी। इसको सभी संकायों ने पास कर दिया है। आगामी विद्या परिषद की बैठक में इसको अनुमोदन के लिए रखा जाएगा। इसी सत्र से इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन पूर्वांचल विकास बोर्ड वाले भवन में होगा। बैचलर इन फार्मेसी और डिप्लोमा इन फार्मेसी के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में शुरू होने वाले तीन कोर्स और छह कॉलेजों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है।

फार्मेसी, एआई और प्री-पीएचडी कोर्स वर्क को मिलेगी स्वीकृति

डीडीयू : असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमोशन का रास्ता साफ, बढ़ेगा ग्रेड पे

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के करीब सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। जून महीने में विश्वविद्यालय इसे करने की तैयारी में है।

नवंबर 2023 की शुरुआत में ही प्रमोशन की फाइल दौड़नी शुरू हो गई थी। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संज्ञान में मामला आने के बाद प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू कराई थी। इसके तहत शिक्षकों की मेडिकल चेकअप करा लिया गया है। एग्रीमेंट भी तैयार करा लिया गया है। शिक्षकों का आरोप है कि इसके पहले हर टेबल पर फाइल आगे बढ़ाने में सुस्ती दिखाई गई।

कॉलेजों में निर्धारित तिथि पर ही प्रमोशन मिल जाता है। प्रावधान है कि चार वर्ष पूरे हो जाने पर ग्रेड पे छह हजार से बढ़कर सात हजार हो जाएगा।

Hindustan Page 05

वर्ष 2018 और 2019 में नियुक्त शिक्षकों का लटका था प्रमोशन

125 असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमोशन का रास्ता साफ

डीडीयू

- चार वर्ष में मिलना चाहिए था प्रमोशन, दो वर्ष देरी से हुई प्रक्रिया
- जून में ही प्रमोशन और कन्फर्मेशन देने की तैयारी में है डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। पिछले तीन दो वर्षों से प्रमोशन का बेसब्री से इंतजार कर रहे दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के करीब सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों के लिए अच्छी खबर है। उनके ग्रेड पे प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है। डीडीयू प्रशासन की चुप्पी और बाद में फाइलों की धीमी गति के कारण प्रमोशन दो साल से पेंडिंग चल रहा था। सब ठीक रहा तो जून महीने में ही प्रमोशन हो जाएगा।

डीडीयू में वर्ष 2018 में करीब सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति हुई थी। तकनीकी कारणों से उन्हीं नियुक्तियों में से कुछ लिफाफे वर्ष 2019 में खुले थे। प्रावधान है कि चार वर्ष पूर्ण हो जाने पर ग्रेड पे 6 हजार से बढ़कर 7 हजार हो जाएगा। लेकिन करीब डेढ़ साल तक डीडीयू प्रशासन इस पर चुप्पी साधे रहा। नवंबर 2023 में कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संज्ञान में यह मामला आया तब उन्होंने प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू कराई थी। इसके तहत शिक्षकों की मेडिकल चेक अप करा लिया गया है। एग्रीमेंट भी तैयार करा लिया गया है।

करीब 50 शिक्षकों का होगा कन्फर्मेशन: वर्ष 2022 और 2023 में नियुक्ति पाए शिक्षकों का प्रोबेशन पीरियड तत्कालीन कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने दो साल कर दिया था। वर्तमान कुलपति ने मामला संज्ञान में आने पर इसे एक साल कर दिया। सत्र 2022 में नियुक्त शिक्षकों का प्रोबेशन पीरियड अब पूरा हो गया है। उनका कन्फर्मेशन भी जून में ही हो जाएगा। इसके लिए फाइलों की स्क्रीनिंग जल्द होने की उम्मीद है।

वर्ष 2018 और 2019 में नियुक्त शिक्षकों का प्रमोशन जून में हो जाएगा। उनके परिवार का भुगतान भी किया जाएगा। जिन शिक्षकों का प्रोबेशन पीरियड पूरा हो गया है, उनका कन्फर्मेशन भी किया जाएगा।

– प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

प्रमोशन लटकने से शिक्षकों में था आक्रोश

नवंबर 2023 की शुरुआत में ही प्रमोशन की फाइल दौड़नी शुरू हो गई थी। शिक्षकों का आरोप है कि हर टेबल पर फाइल आगे बढ़ाने में सुस्ती दिखाई गई। कॉलेजों में निर्धारित तिथि पर ही प्रमोशन मिल जाता है। इसे लेकर सहायक आचार्यों में अपने दरिद्रों के प्रति आक्रोश है। शिक्षकों का कहना है कि एनपीएस में पिछले दो वर्षों में हुए निवेश में नुकसान की भरपाई अब संभव नहीं है।

Inext Page - 04

अनुसंधान व उद्यमिता प्रोत्साहन को यूनिवर्सिटी ने बढ़ाए हाथ

जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी के साथ विश्वविद्यालय ने किया अनुबंध

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (23 May): कृषि अनुसंधान एवं कृषि आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है. विश्वविद्यालय ने इसके लिए जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, मुरादाबाद के साथ अनुबंध किया है. इस अनुसंधान के जरिये दोनों संस्थान मिलकर शैक्षणिक एवं कृषि अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा देंगे. विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राय और जुबिलेंट की ओर से डा. दीपक मैंदिस्ता ने अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किए, अनुबंध पत्र का आदान-प्रदान विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी और जुबिलेंट के निदेशक डा. दीपक के बीच हुआ. अनुबंध के बाद कुलपति ने कहा कि इस समझौते से कृषि के क्षेत्र में शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण गतिविधियों के प्रचार-प्रसार को एक नई दिशा मिलेगी. कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राय ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर छात्रों के व्यक्तित्व विकास, उच्च शिक्षा में अनुसंधान दृष्टि विकसित करने के लिए संकल्पित है. डा. दीपक मैंदिस्ता ने कहा कि वर्ष 2005 में कृषि क्षेत्र में नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुबिलेंट की स्थापना की गई है. संस्थान द्वारा प्रशिक्षित कृषि स्नातकों में 5000 से अधिक सफल उद्यमी आज समृद्ध किसान के रूप में स्थापित हुए हैं. इस अवसर पर डा. विमल कुमार दुबे, उप कुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, रंजीत यादव, डा. प्रवीण कुमार सिंह, डा. संदीप श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे.

बैठक आज, नए पाठ्यक्रमों को मिलेगी मंजूरी

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (23 May): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विद्या परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी. इसमें फार्मेसी, प्री-पीएचडी कोर्स, चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सहित कई प्रस्तावों पर चर्चा होगी. विश्वविद्यालय में इस सत्र से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई होगी. इसे सभी संकायों ने पास कर दिया है. विद्या परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को भी अनुमोदन के लिए रखा जाएगा. इसी सत्र से इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का संचालन भी होना है, जिसमें बीफार्म व डीफार्म शुरू किया जाएगा. इसका प्रस्ताव भी विद्या परिषद की बैठक में स्वीकृति के लिए रखने की विश्वविद्यालय की योजना है. इसके साथ ही इंजीनियरिंग विभाग में शुरू होने वाले तीन कोर्स और छह कालेजों में शुरू होने वाले पाठ्यक्रमों पर मुहर लग सकती है.

असिस्टेंट प्रोफेसरों का होगा प्रमोशन, जून में है तैयारी

वर्ष 2018 व 2019 में नियुक्त शिक्षकों के प्रमोशन का मामला

GORAKHPUR (23 May): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों के प्रमोशन का रास्ता साफ हो गया है. जून में प्रमोशन होने की संभावना बन गई है. इसका फायदा वर्ष 2018 व 2019 में नियुक्त शिक्षकों को मिलेगा, जिन्हें बीते दो वर्ष से प्रमोशन का इंतजार है. इसे लेकर उनमें आक्रोश भी पनपने लगा था.

गोरखपुर विश्वविद्यालय में वर्ष 2018 में करीब सवा सौ असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति हुई थी. तकनीकी कारणों से उन्हीं नियुक्तियों में से कुछ लिफाफे वर्ष 2019 में खुले थे. नियम यह है कि चार वर्ष पूरा होने के बाद उनका ग्रेड पे छह हजार से बढ़कर सात हजार कर दिया जाए, लेकिन करीब डेढ़ साल तक इस दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया. नवंबर 2023 में कुलपति प्रो. पूनम टंडन के संज्ञान में यह मामला आया, तब उन्होंने प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू कराई. इसके तहत शिक्षकों की मेडिकल जांच करा ली गई है. अब फाइल तैयार कराई जा रही है. वर्ष 2022 व 2023 में नियुक्ति पाए शिक्षकों का प्रोबेशन काल पिछले कुलपति ने दो साल कर दिया था. वर्तमान कुलपति ने मामला संज्ञान में आने पर इसे एक साल कर दिया. ऐसे में सत्र 2022 में नियुक्त शिक्षकों प्रोबेशन काल अब पूरा हो गया है. ऐसे में उन्हें स्थायी करने की दिशा में भी विश्वविद्यालय ने कदम आगे बढ़ा दिया है.

Swatantra Chetna Page - 05

वि.वि. के कृषि संस्थान में वैल्यू एडेड कोर्स का शुभारंभ

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि संस्थान में करंट इंटरवेंशन इन एग्रीकल्चर एंड एलाइड रिसर्च विषय पर एक साप्ताहिक वैल्यू एडेड कोर्स का आयोजन किया गया है।संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्रा के अनुसार, इस कार्यक्रम में कृषि और संबद्ध अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञ को सी.एस.आई.आर.

बी.एच.यू.,भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ राजेंद्र प्रसाद कल्चर यूनिवर्सिटी, पूसा समस्तीपुर बिहार, आदि से अमंत्रित किया गया है क कार्यक्रम का शुभारंभ 24 मई को , चर्चित भारतीय कृषि वैज्ञानिक राम चेत चौधरी के व्याख्यान से होगा। इसके अलावा सी.एस.आई.आर- हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रोहित जोशी तथा आई.सी.ए.आर,- राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ महेश राव द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा।

Rashtriya Sahara Page - 05, 06

अब डीडीयू 'समर्थ' के जरिए पूरी तरह से होगा डिजिटल

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविंद अब सत्र 2024-25 से पूरी तरह से डिजिटल होने की दिशा में उसने बढ़ रहा है। विधि के प्रवेश, परीक्षाएं, शिक्षकों की नियुक्तियां, कर्मचारियों की सुविधाएं सहित विधि से जुड़ी समस्त सामग्री समर्थ पोर्टल के जरिए संचालित होंगे। विश्वविद्यालय सहित महाविद्यालयों के छात्रों के लिए भी सहित फायदाई की सुविधा देने की तैयारी है।

दीदउ गोविंद बल्द ही 'समर्थ' की सुविधाओं जैसे अवकाश प्रबंधन, सीएएस, ई-गवर्नेंस आदि को विश्वविद्यालय लागू करेगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन के पूर्ण डिजिटलीकरण के लिए प्रवेश और परीक्षा पोर्टलों के सुदृढ़ परिवर्तन की योजना भी करने शुरू हो गई है। उसे सत्र से विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों का पंजीकरण भी समर्थ पोर्टल के जरिए होगा। सभी की लगिन आईडी कोर्स लिमिटेड जरिए से शुरुआत बना करने से लेकर परीक्षा पार्ट पार्ट तक का कार्य कर सकेंगे।

इस पहल से विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सरकार से लेकर पूरे प्रोग्राम में अपनी प्रगति को ट्रैक करना अवसर हो जाएगा। यह व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता बनाए रखते हुए विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों में पूरी पारदर्शिता की सुविधाएं करेगा।

डीडीयू की टीम ने चुनौती से ट्रेनिंग : पत्रकारता, गोविंद की कुलपति प्रो. पूनम टंडन

- प्रवेश, चोरा, हरदास, शिक्षकों की नियुक्तियां सब कुछ समर्थ पर निर्भर
- लट्ठेश और राजाल पोर्टल में भी होगा बदलाव

के नेतृत्व विश्वविद्यालय के अधिकारी और आईटी सेल के सदस्यों को एक टीम रामपाल की पहल पर एकेटीयू लखनऊ में अवेरिक 'समर्थ' से समर्थ कार्यालय में पास लेकर इस प्रक्रिया को समझकर आने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है। 'समर्थ' एक ईसवरी (एसएनबी) विश्वविद्यालय पोर्टल है। जो उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों, शिक्षकों और वैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए प्रवेश, परीक्षा प्रक्रियाओं, पेरोल, फर्मा, पोटेनसी, व्यवस्था प्रबंधन और उच्च परीक्षाएं को एक पोटलवर्ग पर एकीकृत करता है।

डीयू ने तैयार किया है समर्थ पोर्टल : यह शिक्षा संचालन, पहल व्यवस्था को एक पहल है, और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया गया था। रामपाल की पहल पर उच्च प्रोग्राम के साथ विश्वविद्यालय अपने संबंधित संस्थानों में इस प्रणाली को लागू कर रहे हैं। डीडीयू ने कुलचिंतकी को उचितकी ने इस पर कार्य करने को एक एकनेतृत्व की समाप्त किया है।

शिक्षकों एवं छात्रों को उपलब्धित लेकर संचालन करेगा समर्थ : कुलपति प्रो. पूनम टंडन का कहना है, 'समर्थ' के कार्यान्वयन से अपनी प्रशासनिक प्रक्रियाओं में क्रांतिकारी बदलाव आएगा। सभी प्रक्रियाएं अधिक कुशल और पारदर्शी हो जाएंगी। यह कदम सभी छात्रों और शिक्षकों को अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करेगा।

कृषि संस्थान में वैल्यू एडेड कोर्स का शुभारंभ आज

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविंद के कृषि संस्थान में 'करंट इंटरवेंशन इन एग्रीकल्चर एंड एलाइड रिसर्च' विषय पर एक साप्ताहिक वैल्यू एडेड कोर्स का शुक्रवार को चर्चित भारतीय कृषि वैज्ञानिक पदमश्री राम चेत चौधरी के व्याख्यान से होगा। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्रा के अनुसार, इस कार्यक्रम में कृषि और संबद्ध अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञ को सीएसआईआर बीएचयू भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ. राजेंद्र प्रसाद कल्चर यूनिवर्सिटी, पूसा समस्तीपुर बिहार आदि से अमंत्रित किया गया है। इसके अलावा सीएसआईआर हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रोहित जोशी तथा आईसीएआर, राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. महेश राव द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा। प्रोग्राम की कोऑर्डिनेटर डॉ. नूपुर सिंह तथा डॉ. तालका अंसारी ने बताया है कि अभी तक 181 रजिस्ट्रेशन इस वैल्यूएडेड कोर्स के लिए हो चुके हैं। यह कोर्स प्रतिभागियों के कृषि शिक्षा से जुड़ी हुई समस्याओं का समाधान तथा नए कृषि शोधों से परिचित कराने में सहायक रहेगा।

- चर्चित कृषि वैज्ञानिक पद्मश्री राम चेत चौधरी देंगे व्याख्यान
- सप्ताह भर के कार्यक्रम में कृषि से जुड़ी समस्याओं का होगा समाधान

Gorakhpur Super Fast Times

डीडीयू के कृषि संस्थान में वैल्यू एडेड कोर्स का शुभारंभ आज

गोरखपुर। सुपर फास्ट टाइम्स

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि संस्थान में करंट इंटरवेंशन इन एग्रीकल्चर एंड एलाइड रिसर्च विषय पर एक साप्ताहिक वैल्यू एडेड कोर्स का आयोजन किया गया है। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्रा के अनुसार,इस कार्यक्रम में कृषि और संबद्ध अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञ को सीएसआईआर बीएचयू,भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, डॉ० राजेंद्र प्रसाद कल्चर यूनिवर्सिटी,पूसा समस्तीपुर बिहार, आदि से अमंत्रित किया गया है,कार्यक्रम का शुभारंभ आज चर्चित भारतीय कृषि वैज्ञानिक पदम श्री राम चेत चौधरी के व्याख्यान से होगा। इसके अलावा सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान,पालमपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० रोहित जोशी तथा आईसीएआर,- राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान के वैज्ञानिक डॉ० महेश राव द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा। प्रोग्राम की कोऑर्डिनेटर डॉ० नूपुर सिंह तथा डॉ० तालका अंसारी ने बताया है कि अभी तक 181 रजिस्ट्रेशन इस वैल्यू एडेड कोर्स के लिए हो चुके हैं। यह कोर्स प्रतिभागियों के कृषि शिक्षा से जुड़ी हुई समस्याओं का समाधान तथा नए कृषि शोधों से परिचित कराने में सहायक रहेगा।